जो सुख है तेरे दर पे किसी धाम पे नहीं भजन लिरिक्स

जो सुख है तेरे दर पे,
किसी धाम पे नहीं,
किसी धाम पे नहीं,
हे कष्णा हे मोहना,
तेरे नाम है कई,
तेरे नाम है कई,
जों सुख है तेरे दर पे,
किसी धाम पे नहीं,
किसी धाम पे नहीं।bd।

तर्ज – ये दुनिया ये महफ़िल।

कैसे करूँ बखान प्रभू,
मै द्वार का,
कर न सका बखान कोई भी,
द्वार का,
मुझको मिले शरण जो,
प्रभू तेरे द्वार पे,
करके दया ओ मोहन,
थोड़ा सा प्यार दे,
जों सुख है तेरे दर पे,
किसी धाम पे नहीं,
किसी धाम पे नहीं।bd।

चाहूँ न कुछ प्रभू जी,
चरणो की रज़ मिले,
चरणों की तेरे मुझको,
सेवा सदा मिले,
हैं आरजू यही बस,
दर्शन तेरे मिले,
दर्शन मै तेरे पाऊँ,
आँखें ये जब खुले,
जों सुख है तेरे दर पे,
किसी धाम पे नहीं,
किसी धाम पे नहीं।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के कहीं भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

कोई न मेरा है यहां,
तू ही बतादे प्रभू,
जाऊँ तो जाऊँ मै कहाँ,
ना कोई जग मे आसरा,
ले सपना तेरी आश का,
आया हूँ तेरे द्वार पे,
ठुकरा दे या अपना बना,
जों सुख है तेरे दर पे,
किसी धाम पे नहीं,
किसी धाम पे नहीं।bd।

दूर निगाहों से,
करना ना मुझको हे प्रभू,
तेरी कृपा बिन जग मे,
रहना न मुझको हे प्रभू,
तू तार मुझे या मार दे,
अब जीवन तेरे हाथ है,
नहीं और तमन्ना है मेरी,
बस “शिव” को भव से तार दे,
जों सुख है तेरे दर पे,
किसी धाम पे नहीं,
किसी धाम पे नहीं।bd।

जो सुख है तेरे दर पे,
किसी धाम पे नहीं,
किसी धाम पे नहीं,
हे कष्णा हे मोहना,
तेरे नाम है कई,
तेरे नाम है कई,
जों सुख है तेरे दर पे,
किसी धाम पे नहीं,
किसी धाम पे नहीं।bd।

गायक – राजीव जी तोमर।
– लेखक एवं प्रेषक –
शिवनारायण जी वर्मा।
8818932923

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com